भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

07.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2367 का उत्तर

छत्तीसगढ़ के जनजातीय और आकांक्षी जिलों में रेल कनेक्टिविटी

2367. श्री राजीव शुक्ला:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि छत्तीसगढ़ के कई जनजातीय, पिछड़े और खनिज-समृद्ध जिले अपने सामरिक और आर्थिक महत्व के बावजूद अपर्याप्त रेल कनेक्टिविटी का सामना कर रहे हैं;

(ख) यदि हाँ, तो राज्य में रेल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए चिन्हित किए गए जिलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पाँच वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ में संस्वीकृत, निर्माणाधीन और लंबित नई रेल लाइनों, यात्री ट्रेन सेवाओं तथा रेल अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) इन परियोजनाओं को पूरा करने में यदि कोई विलंब हुआ है, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) राज्य में, विशेष रूप से सुदूर और जनजातीय क्षेत्रों में, समयबद्ध रूप से रेल कनेक्टिविटी का विस्तार सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि राज्य/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिले की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़

रेल बजट:

हाल ही के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-2014	₹311 करोड़ प्रति वर्ष
2026-2027	₹7,470 करोड़ (लगभग 24 गुना)

रेलपथ निर्माण:

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	32 कि.मी.	6.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	1,311 कि.मी.	109.29 कि.मी. प्रति वर्ष (17 गुना)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 48,202 करोड़ रुपए लागत तथा 2,398 कि.मी. कुल लंबाई की 36 परियोजनाएं (8 नई लाइन और 28 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	887	262	7,535
दोहरीकरण	28	1,512	889	11,298
कुल	**36**	**2,398**	**1,151**	**18,833**

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूर्ण की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	खरसिया-कोरिछापर नई लाइन (43 कि.मी.)	851
2	बिलासपुर- उरकुरा तीसरी लाइन (110 कि.मी.)	365

3	सल्का रोड- खोंगसरा दोहरीकरण (26 कि.मी.)	181
4	दुर्ग-राजनांदगांव दोहरीकरण (31 कि.मी.)	250
5	बिलासपुर में फ्लाईओवर के साथ खोडरी-अनूपपुर दोहरीकरण (72 कि.मी.)	792
6	चांपा -झारसुगुड़ा तीसरी लाइन (152 कि.मी.)	1,227
7	पेंड्रा रोड - अन्नूपुर तीसरी लाइन (50 कि.मी.)	394
8	रायपुर - टिटलागढ़ दोहरीकरण (203 कि.मी.)	1,171
9	दल्लीराझरा-रावघाट (95 कि.मी.)	1,628

चालू परियोजनाएं:

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ प्रमुख परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	खरसिया-धरमजयगढ़ नई लाइन (122 कि.मी.)	3,407
2	गेवरा रोड- पेंड्रा रोड नई लाइन (135 कि.मी.)	3,724
3	धरमजयगढ़-कोरबा नई लाइन (63 कि.मी.)	1,686
4	चिरिमिरी -नागपुर हॉल्ट नई लाइन (17 कि.मी.)	670
5	सरडेगा-भालुमुंडा नई लाइन (37 कि.मी.)	1,282
6	खरसिया - परमलकासा नई दोहरी लाइन (278 कि.मी.)	7,854
7	रावघाट-जगदलपुर नई लाइन (140 कि.मी.)	3,513
8	किरंदुल- जगदलपुर दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1,780
9	जगदलपुर -कोरापुट दोहरीकरण (107 कि.मी.)	1,547
10	झारसुगुड़ा-बिलासपुर चौथी लाइन (206 कि.मी.)	2,596
11	गेवरा रोड- पेंड्रा रोड दोहरीकरण (135 कि.मी.)	3,475
12	राजनांदगांव -नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
13	बोरीडांड - अंबिकापुर दोहरीकरण (80 कि.मी.)	1,577
14	दुर्ग-राजनांदगांव चौथी लाइन (31 कि.मी.)	464
15	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
16	बैकुंठ - उरकुरा चौथी लाइन (26 कि.मी.)	426
17	चांपा-कोरबा तीसरी लाइन (42 कि.मी.)	755

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2023-24, 2024-25, 2025-26 और वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले तथा 2,455 कि.मी. कुल लंबाई वाले 14 सर्वेक्षण

(06 नई लाइन और 08 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं। कुछ महत्वपूर्ण अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण	वर्तमान स्थिति
1	अंबिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा रोड और रामानुजगंज-बरवाडीह नई लाइन (262 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
2	सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर नई लाइन (218 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
3	धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन (292 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
4	कोठागुडेम-किरंदुल नई लाइन (180 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली नई लाइन (490 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	धमतरी-बांसकोट-अमरावती-कोंडागांव नई लाइन (183 कि.मी.)	फील्ड सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
7	बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन (87 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
8	बिलासपुर-शहडोल-कटनी चौथी लाइन (202 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
9	रायपुर-टिटलागढ़ तीसरी और चौथी लाइन तथा टिटलागढ़-विजयनगरम चौथी लाइन (464 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति देना एक सतत व गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें

- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी उपयोगिताओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

यात्री गाड़ी सेवाएं:

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए गाड़ियों को नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार परिचालित किया जाता है। बहरहाल, भारतीय रेल यात्रियों के लिए संपर्कता में सुधार करने का निरंतर प्रयास करती है। इस उद्देश्य के लिए, हाल के वर्षों में, भारतीय रेल ने 18 गाड़ी सेवाएं भी शुरू की हैं जो छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित स्टेशनों के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ये नीचे सूचीबद्ध हैं:

क्र.सं.	**गाड़ी सं. और नाम**
1	20829 दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस
2	20830 विशाखापत्तनम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस
3	20825 बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
4	20826 नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
5	22407 हज़रत निज़ामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस
6	22408 अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस
7	18641 हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस
8	18642 दुर्ग-हटिया एक्सप्रेस
9	11701 जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस
10	11702 रायपुर-जबलपुर एक्सप्रेस
11	68766 रायपुर-राजिम मेमू

12	68767 राजिम-रायपुर मेमू
13	68760 रायपुर-अभनपुर मेमू
14	68761 अभनपुर-रायपुर मेमू
15	68762 रायपुर-अभनपुर मेमू
16	68763 अभनपुर-रायपुर मेमू
17	08833 रायपुर-अंतागढ़ डेमू
18	08834 अंतागढ़-रायपुर डेमू

इसके अलावा, भारतीय रेल ने यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्वदेश में डिजाइन और निर्मित वंदे भारत गाड़ियों (चेयर कार और स्लीपर) और आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं युक्त अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की है।

वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 81 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस [चेयर कार], 01 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस [स्लीपर] और 36 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस परिचालित की जा रही हैं, जिनमें से 02 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस [चेयर कार] और 01 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित स्टेशनों के यात्रियों की आवश्यकतों को पूरा कर रही हैं। ये नीचे सूचीबद्ध हैं:

छत्तीसगढ़ को सेवित करने वाली वंदे भारत गाड़ियां:

क्र.सं.	**गाड़ी सं. और नाम**
1	20829/20830 दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस
2	20825/20826 बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

छत्तीसगढ़ को सेवित करने वाली अमृत भारत गाड़ियां:

क्र. सं.	**गाड़ी सं. और नाम**
1	19021/19022 उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस

इसके अतिरिक्त, नई रेलगाड़ी सेवाओं की शुरूआत, जो कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें शामिल हैः

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए समान अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात मांग।

****